शिवनाथ तेरी महिमा

शिवनाथ तेरी महिमा आ आ आ
शिवनाथ तेरी महिमा जब तीन लोक गए

नाचे धरा गगन तो आ आ आ
नाचे धरा गगन तो झूमे दसों दिशाएं
शिवनाथ तेरी महिमा जब तीन लोक गए

तू देव सबसे न्यारा तुझको नमन हमारा
तू देव सबसे न्यारा तुझको नमन हमारा
लायी है तेरे दवारे दर्शन की कामनाये
शिवनाथ तेरी महिमा

पंछी पवन सुनाये नाचे धरा गगन तो
झूमे दसों दिशाएं शिवनाथ तेरी महिमा जब
तीन लोक गाये मस्तक पे चन्दर आधा
है रूप तेरा सादा मस्तक पे चन्दर आधा
है रूप तेरा सादा आयी है गैंग
धरा लेकर तेरी जताये शिवनाथ तेरी महिमा

शिवनाथ तेरी महिमा तारे गगन के गए
नाचे धरा गगन तो झूमे दसों दिशाएं
शिवनाथ तेरी महिमा जब तीन लोक गए

है प्रेम की सुधा भी है रूपचंद्रिका भी
हो नील कण्ठ वाले कैसे तुझे रिझाये
शिवनाथ तेरी महिमा सब देव लोक गए
नाचे धरा गगन तो आ आ आ
नाचे धरा गगन तो झूमे दसों दिशाएं
शिवनाथ तेरी महिमा जब तीन लोक गए

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/20858/title/shivnath-teri-mahima

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |